Himachal Pradesh Horticulture Development Project

PCU, Dyerton Bizhub, Talland Bypass, Shimla (H.P.)-171001

Telephone: 0091-177- 2674465, 2674937, 2674936 (Telefax)

E-mail: hdp-pd-hp@gov.in Website: www.hds.hp.gov.in

HP-HDP/PCU-69/Media Coverage/2017 Shimla, 1st November2018

PRESS NOTE

हिमाचल प्रदेश बागवानी विकास परियोजना राज्य में सघन बागवानी को बढ़ावा देने के काम तेजी लाएगा । विश्व बैंक पोषित 1134 करोड़ रुपये की ये परियोजना प्रति हैकटेयर फलोत्पादन में वृद्धि और गुणवत्तायुक्त फसलोत्पादन को बढ़ाने के मकसद से ही लागू की गई है । परियोजना का लक्ष्य है की वो प्रदेश के 85 प्रतिशत सीमान्त, छोटे और मंझोले किसान बागबानो को सामाजिक और आर्थिक मजबूती प्रदान कर सके । इस परियोजना का एक और मकसद महिलाओं को भी आर्थिक रूप से मुख्यधारा में जोड़ने का है जो प्रदेश में महिला बागबानो को अपने पाँव में खड़े होने के नए अवसर प्रदान करेगा । सात साल की इस परियोजना में करीब डेढ़ लाख उत्पादकों को फायदा पहुंचाने का प्रावधान रखा गया है जिनमे 33 प्रतिशत महिलाए शामिल होंगी । परियोजना को प्रदेश के सभी 12 जिलो में "मॉडल क्लस्टर" और "हाइड्रो लॉजिकल बाउंड्रीज" के आधार पर तय किया जाना है ।

बागबानी विकास परियोजना की विकसित तकनीक राज्य के बागबानो के सम्मुख खडी कई चुनोतियो को दूर करेगी । विशेष तौर पर सेब बागबानो के सामने आज के दौर में वैश्विक बाजार से प्रतिस्पर्धा की चुनौती है । हिमाचल में बागवानो के समक्ष दूसरी चुनौती अधिकाँश बगीचे के उम्रदराज होने और उनके शीर्ष उत्पादन क्षमता को खो देने की है । इस परियोजना के अंतर्गत अपनाये जाने वाली हाई टेक बागबानी राज्य में गिरते और अनिश्चित फसलोत्पादन से जुडी अधिकाँश चुनौतियों का सही जवाब साबित हो सकती है।

अपने इसी मकसद को पूरा करने के लिए हिमाचल प्रदेश बागवानी विकास परियोजना इस साल सघन बागवानी से जुड़े करीब एक लाख 20 हजार आयातित पौधों को वितरित करेगी । ये पौधे उन किसान बागवानो को दिए जाने है जो परियोजना से जुड़े है या उन्होंने परियोजना के समक्ष इन विकसित "हाई डेंसिटी प्लांट्स" को खरीदने की मांग परियोजना को दी है ।

बीते दो सालो में परियोजना के तहत अब तक सेब के करीब 45 हजार पौधों का वितरण किसानो को किया जा चुका है। विदेशो से आयातित शेष पौधों को विभाग की विभिन

नर्सरियो में "मल्टीपलीकेशन" के लिए रखा गया है जो आने वाले वाले वर्षो में मांग के अनुरूप किसानो में वितरित किये जायेंगे । इसके अतिरिक्त सब ट्रॉपिकल फलो के अंतर्गत भी करीब 29 हजार पौधों को 375 किसान परिवारों को वितरित किया जा चुका है।

इस हाई टेक बागबानी का मूल आधार, "सघन फल पौध और सुनिश्चित सिंचाई व्यवस्था" है। परियोजना के अंतर्गत प्रदेश के बाग़बानो को सुनिश्चित सिंचाई का आधारभूत ढांचा प्रदान किये जाने का प्रावधान है। ऐसे में परियोजना की सफलता और इसके क्रियान्वयन में तेजी लाने के मकसद से आवश्यक पदों की नियुक्तियों के काम में तेजी लाई जा रही है। परियोजना की एक अहम जरुरत पानी के प्रबंधन की है जो विकसित सघन बागवानी पौधों के लिए अति आवश्यक है ।

इसी के चलते परियोजना में जूनियर इंजिनियर (सिविल और इर्रिगेशन), ड्राफ्टसमेन (कैड ओपेरटर) और सर्वेयर के करीब 55 पद भरे जाने है। इन नियुक्तियों के लिए आवेदित प्रत्याशियों की लिखित परीक्षा 23 नवम्बर को रखी गई है। ये लिखित परीक्षा शिमला के राजकीय कन्या महाविद्यालय केंद्र में आयोजित की जानी है। इन सभी नियुक्तियों को परियोजना ने 4 जून 2018 को विज्ञापित किया गया था। विज्ञप्ति के आधार पर आवेदन करने वाले योग्य अभ्यार्थियों को छंटनी के बाद 23 नवम्बर को आयोजित होने वाली परीक्षा की आवश्यक सूचना दे दी गई है । योग्य अभ्यर्थी अपने एडमिट कार्ड को परियोजना की वेबसाइट - www.hds .hp.gov.in से भी डाउनलोड कर सकते है ।
इसके अतिरिक्त प्रदेश के विभिन जिलो में परियोजना से जुडी गतिविधियों में तेजी लाने का मकसद से 37 पद फैसीलिटेटर के भरे जाने है । इन पदों को भी 4 जून 2018 को ही एक साथ विज्ञापित किया गया था । जल्द ही विज्ञप्ति में शेष बचे इन 37 फैसीलिटेटर पदों की प्रक्रिया को भी पूर्ण करने की लिए लिखित परीक्षा का आयोजन किया जायेगा ।

Sd/-
(Spokesperson)
HP HDP